Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MAS-203

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination August – 2021

एम.ए. संस्कृत साहित्य, सत्रार्द्ध : द्वितीय
संस्कृत, प्रश्न-पत्र : तृतीय
भारतीय दर्शन

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. कणाद गौतमीय अनुसार सप्त पदार्थ कौन-से हैं? विवेचन कीजिए।
2. 'त्रयमेकत्र संयमः'' का साभिप्राय कथन प्रकट कीजिए।
3. सिद्धियाँ कितनी हैं? योगदर्शनानुसार स्पष्ट कीजिए।
4. सांख्यकारिकानुसार तीन विशषों की व्याख्या कारिका सहित कीजिए।
5. योगदर्शन के तृतीय तथा चतुर्थ पाद में किन विषयों पर चर्चा आयी है? अपने शब्दों में स्पष्ट करें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

1. कैवल्य के स्वरूप का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
2. प्रत्ययसर्ग किसे कहते हैं? विवेचन कीजिए।
3. ते समाधावुपसर्गा व्युत्थाने सिद्धयः। अभिप्राय प्रकट कीजिए।
4. कणादगौतमीय अनुसार आत्मा के स्वरूप का वर्णन करें।
5. रङ्गस्य दर्शयित्वा निवर्तते नर्तकी यथा नृत्यात्। पुरुषस्य तथात्मानं प्रकाश्य निवर्तते प्रकृतिः। कारिका की व्याख्या कीजिए।।
6. सांख्यकारिकानुसार दुःख का कारण बताइए।
7. कर्माशुक्लाकृष्णं योगिनस्त्रिविधमितरेषाम्। - इस कैवल्यपादस्थ सूत्र की व्याख्या कीजिए।

----------X----------